दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, सोमवार 09 जनवरी 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 103

महत्वपूर्ण एवं खास

बीएसएफ ने बांग्लादेश भेजे जाने वाले 30 लाख रुपए मूल्य के जब्त किए मानव बाल

शिलांग(आरएनएस)। मेघालय में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने तस्करी कर बांग्लादेश भेजे जाने वाले 30 लाख रुपये मूल्य के 300 किलोग्राम मानव बाल जब्त किए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने कहा कि दक्षिणी-पश्चिमी खासी हिल्स जिले के साथ नदी मार्ग के माध्यम से बांग्लादेश में तस्करी करने से पहले मानव बाल को शिलॉन्ग से सीमावर्ती जमादोर गांव में ले जाने के बाद जब्त किया गया था। प्रवक्ता ने कहा, बांग्लादेश चीन और ताइवान को आपूर्ति के लिए मानव बालों की तस्करी के लिए एक नए ट्रांजिट कॉरिडोर के रूप में उभरा है। पहले म्यांमार को मानव बालों के अवैध व्यापार के लिए एक ट्रांजिट कॉरिडोर के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। विग बनाने में मानव बाल का उपयोग किया जाता है, क्योंकि इसकी अंतराष्ट्रीय स्तर पर भारी मांग है। मेघालय से लगी 443 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश सीमा की रखवाली करने वाले बीएसएफ ने 2022 में बांग्लादेश में तस्करी करते हुए 225 किलोग्राम मानव बाल जब्त किए थे।

अवैध हथियार रखने के आरोप में असम के पूर्व विधायक गिरफ्तार

गुवाहाटी (आरएनएस)। असम पुलिस ने कोकराझार जिले में बसुमतारी के घर से हथियार और गोला-बारूद बरामद करने के बाद एक पूर्व विधायक हितेश बसुमतारी और दो अन्य को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने गुप्त सूचना मिलने के बाद चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान एक एके सीरीज राइफल, एक एम-16 राइफल और 126 राउंड गोला बारूद बरामद किया। बासुमतरी (52) इससे पहले बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के टिकट पर चपागुरी विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुई थीं। बासुमतारी बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल के एक कार्यकारी सदस्य भी थे, जिसे बाद में बोडोलैंड टेरिटोरियल रीजन (बीटीआर) नाम दिया गया था। पुलिस को संदेह है कि वह प्रतिबंधित चरमपंथी संगठन बोडो लिबरेशन टाइगर्स (बीएलटी) से जुड़ा था। जनवरी 2020 में प्रतिबंधित नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट ऑफ बोडोलैंड (एनडीएफबी) के सभी गुटों सहित केंद्र, असम सरकार और बोडो संगठनों के बीच त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद बीटीआर में उग्रवाद पर काबू पा लिया गया था।

इंडोनेशिया का माउंट मारापी फटा, 300 मीटर तक फैली राख

जकार्ता। सेंटर फॉर वोलकेनोलॉजी एंड जियोलॉजिकल हैजर्ड मिटिगेशन के अनुसार, इंडोनेशिया के पश्चिम सुमात्रा प्रांत में मेरापी ज्वालामुखी पर्वत लगभग 45 सेकंड के लिए फट गया, जिससे इसकी चोटी से 300 मीटर ऊपर राख फैल गई। विस्फोट सुबह 6.11 बजे हुआ। बालू के साथ राख का इजेक्शन आसपास के क्षेत्र में हिट करने की क्षमता रखता है। समुद्र तल से मेरापी की ऊंचाई 2,891 मीटर तक है। मेरापी फिलहाल खतरे के दूसरे स्तर पर है। अधिकारी पर्यटकों से आग्रह करते हैं कि वे वर्बीक क्रेटर से 3 किमी के दायरे में न रहें। पहाड़ के आसपास कई शहर और कस्बे स्थित हैं, जिनमें बुकीटिंगी, पदांग पंजंग और बटुसांगकर शामिल हैं।

कोहरे के कारण दिल दहला देने वाला सड़क हादसा, 17 लोगों की दर्दनाक मौत- 22 घायल

बीजिंग। पूर्वी चीन के जियांग्शी प्रांत में शनिवार और रविवार की दरम्यानी रात को एक भीषण सडक़ दुर्घटना में 17 लोगों की मौत हो गई और 22 अन्य घायल हो गए। चीन की सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी है।

स्थानीय अधिकारियों का हवाला देते हुए सरकारी मीडिया सीसीटीवी ने कहा, दुर्घटना में 17 लोगों की मौत हो गई है और 22 लोग घायल हो गए हैं। सभी घायलों को अस्पताल भेजा गया है। सरकारी मीडिया के मुताबिक, यह हादसा नानचांग काउंटी में रात 1 बजे (1700 जीएमटी) से ठीक पहले हुई। दुर्घटना के कारणों की गहराई से जांच की जा रही है।

हालांकि, हादसे की खबर सामने आने के लगभग एक घंटे बाद, नानचांग काउंटी ट्रैफिक पुलिस ने इलाके में खराब मौसम और धुंध की वजह से कम विजिबिलिटी की एडवायजरी जारी की।

एडवायजरी में कहा गया है, कृपया फॉग लाइट्स पर ध्यान देंज् धीमे चलें, सावधानी से ड्राइव करें, सामने वाली कार से सुरक्षित दूरी बनाए रखें, पैदल चलने वालों से बचें, लेन न बदलें और ओवरटेक न करें।

सख्त सुरक्षा नियंत्रण की कमी के कारण चीन में सडक़ दुर्घटनाएं आम हैं। पिछले महीने, मध्य चीन में एक राजमार्ग पर कई वाहनों की टक्कर के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई जिसमें सैकड़ों वाहन शामिल थे। यह हादसा भी कोहरे और कम दृश्यता के कारण हुआ था। सितंबर में भी दक्षिण-पश्चिमी गुइझोउ प्रांत में क्वारंटीन सुविधाओं के लिए ले जा रही एक बस के मोटरवे पर पलट जाने से 27 यात्रियों की मौत हो गई थी।

भीषण ठंड के बीच कानपुर में फिर हार्ट अटैक से 14 लोगों की मौत, सात दिन में 98 मौतें

कानपुर (आरएनएस)। यूपी के कानपुर में पड़ रही कड़ाके की ठंड जानलेवा हो चुकी है। एक बार फिर हार्टअटैक से 14 लोगों की मौत हो गई है। मरने वालों का यह आंकड़ा 24 घंटे के भीतर का ही है। 1 जनवरी से 7 जनवरी तक एक हफ्ते में अब तक हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक की वजह से 98 लोगों की मौत हो चुकी है। कार्डियोलॉजी इंस्टिट्यूट की तरफ से शनिवार को यह आंकड़े जारी किए गए। एलपीएस हृदय रोग संस्थान की ओर से बताया गया कि शनिवार को भीषण सर्दी के शिकार 14 मरीजों की हार्ट अटैक से मौत हो गई। हृदय रोग संस्थान में इलाज के दौरान 6 लोगों की मौत हुई जबकि इस दिन संस्थान में हार्ट अटैक से पीडित 8 लोगों को मृत अवस्था में लाया गया था। शनिवार को हार्ट अटैक से पीडित 54 मरीजों को कार्डियोलॉजी इमरजेंसी में भर्ती कराया गया। हृदय रोग संस्थान में कुल 604 रोगियों का इलाज जारी है। इनमें 54 नए और 27 पुराने मरीज शामिल हैं। वहीं, एक सप्ताह में 98 लोगों की हार्ट और ब्रेन अटैक से हो चुकी मौत है। इनमें से 44 की मौत हॉस्पिटल में हुई, जबकि 54 मरीजों ने इलाज से पहले ही दम तोड़ दिया था। कार्डियोलॉजी इंस्टिट्यूट की तरफ से लोगों से अपील की गई है कि वे इस ठंड में खास एहतियात बरतें।

डॉक्टरों के मुताबिक ठंड की वजह से ब्लड प्रेशर बढऩे और नशों में खून के थक्के बनने की वजह से हार्ट अटैक और ब्रेन अटैक की समस्या सामने आ रही है। ऐसे में लोगों को ठंड से बचने की जरुरत है। खान-पान से लेकर अपनी दिनचर्या में भी सुधार लाना होगा।

जम्मू-कश्मीर : डांगरी हमले में शामिल दो आतंकी बालाकोट में ढेर, इलाके में घेराबंदी

जम्मू (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के बालाकोट सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास जारी अभियान में दो आतंकवादी मारे गए हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। सेना ने कहा, बालाकोट में सीमा बाड़ पर तैनात सतर्क सैनिकों ने दो आतंकवादियों को मार गिराया है। इलाके की घेराबंदी कर तलाशी ली जा रही है।

भारतीय सेना की यूनिट व्हाइट नाइट कॉर्प्स ने ट्विटर पर बताया, ढांगरी हमले में शामिल आतंकियों को पकडऩे के लिए ऑपरेशन जारी है। बालाकोट में सीमा पर तैनात सतर्क सैनिकों ने अब तक 2 आतंकवादियों का पता लगाकर उन्हें मार गिराया है। इसी के साथ पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई और ऑपरेशन अब भी जारी है। बता दें कि धंगरी इलाके में हुए आतंकी हमले में दो नाबालिगों सहित छह लोग मारे गए थे।

इससे पहले, आतंकी हमले के सिलसिले में पूछताछ के लिए कम से कम 18 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। अधिकारियों ने शनिवार (7 जनवरी) को बताया कि हमलावरों का पता लगाने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान जारी है और कुछ महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही मामले की गुत्थी सुलझ जाएगी।

टारगेट किलिंग करने वालों का होगा सफाया, सरकार का प्लान तैयार

नई दिल्ली (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर में आतंकियों द्वारा की जा रही टारगेट किलिंग सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। घाटी में हिन्दू परिवारों, कश्मीरी पंडित और कर्मचारियों को आतंकी लगातार निशाना बना रहे हैं। इसको लेकर अब केंद्रीय गृह मंत्रालय एक्शन में आ गया है। सूत्रों की मानें तो टारगेट किलिंग करने वालों के खिलाफ केंद्र सरकार ने प्लान तैयार कर लिया है। इस की शुरूआत पिछले कुछ दिनों में दो आतंकी संगठनों को बैन कर और टारगेट किलिंग में शामिल 3 लोगों को आतंकी घोषित कर की जा चुकी है।

सूत्रों के मुताबिक जम्मू के राजौरी में नए साल की शुरूआत में हुई दो घटनाओं में 6 नागरिकों की टारगेट किलिंग के बाद गृह मंत्री अमित शाह के निर्देश पर गृह मंत्रालय ने सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों को टारगेट किलिंग पर नकेल कसने और जम्मू संभाग में ज्यादा से ज्यादा एहतियात बरतने के निर्देश दिए हैं।

एक अधिकारी ने बताया कि आतंकियों ने जम्मू-कश्मीर में आतंक फैलाने के लिए अपनी रणनीति बदली है। उन्होंने अपेक्षाकृत सुरक्षित माने जाने वाले जम्मू क्षेत्र में टारगेट किलिंग को अंजाम देकर दहशत फैलाने का प्रयास किया है।

गृह मंत्रालय ने जम्मू कश्मीर में टारगेट किलिंग पर शिकंजा कसने की कड़ी में पिछले 3-4 दिनों में कई सख्त कदम उठाए हैं। गृह मंत्रालय ने 4 जनवरी को आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट जम्मू कश्मीर के मुख्य भर्तीकर्ता एजाज अहमद को आतंकी घोषित किया। इसके अगले दिन गृह मंत्रालय ने दो और सख्त कदम उठाते हुए जम्मू कश्मीर में सक्रिय लश्कर कमांडर मोहम्मद अमीन उर्फ अबू खुबैब को भी आतंकी घोषित किया, तो वहीं द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) नामक संगठन को भी सरकार ने बैन कर दिया। 6 जनवरी को गृह मंत्रालय ने पीपुल्स एंटी फासिस्ट फ्रंट (पीएएफएफ) को बैन किया और इसी दिन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के अरबाज अहमद मीर जिसे टारगेट किलिंग का मास्टरमाइंड भी माना जाता है को भी आतंकी घोषित कर दिया गया। बैन किए गए आतंकी संगठन टीआरएफ और पीपुल्स एंटी फासिस्ट फ्रंट मूल रूप से लश्कर और और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों के प्रॉक्सी के तौर पर काम कर रहे थे। जानकार बताते हैं कि आतंक के पोषण के लिए पाकिस्तान पर पिछले सालों में बढ़ रहे दबाव को देखते हुए आईएसआई और आतंक के आकाओं ने इन नए संगठनों को भारत में गढ़ा। यह घाटी में आतंक के माहौल को जारी रखना चाहते है और बताना चाहते है कि जम्मू-कश्मीर में आतंक का खात्मा अभी नहीं हुआ है।

सुरक्षा एजेंसियों से जुड़े सूत्रों ने बताया कि जब से जम्मू कश्मीर में 370 हटा है, तभी से इन नए आतंकी संगठनों ने नाराज कश्मीरी युवाओं को आतंकी बनाना शुरू कर दिया। वहीं कोई शक न करे इस लिए इन्हें गैर इस्लामिक नाम दिया गया। कश्मीर में हिंदुओं के खिलाफ हो रही टारगेट किलिंग में सबसे ज्यादा भूमिका इन दोनों आतंकी संगठनों की ही रही है। इन्ही छद्म नाम वाले संगठनों को पहचानकर कड़ी कार्यवाही की जा रही है ताकि पाकिस्तान को बेनकाब किया जा सके।

जोशीमठ आपदाग्रस्त क्षेत्र घोषित, आईटीबीपी ने खाली की कालोनी

जोशीमठ (आरएनएस)। जोशीमठ शहर में जानमाल की सुरक्षा के लिए सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। शहर के लगभग डेढ़ किलोमीटर के भू-धंसाव प्रभावित क्षेत्र को आपदाग्रस्त घोषित किया गया है। जोशीमठ का अध्ययन कर लौटी विशेषज्ञों की टीम की रिपोर्ट के आधार पर यह कदम उठाया गया। दीर्घकालिक समाधान के लिए जोशीमठ का जियो टेक्निकल व जियोफिजिकल अध्ययन कराया जाएगा। जिन क्षेत्रों में घरों में दरारें नहीं हैं, वहां भवन निर्माण के लिए गाइडलाइन जारी की जाएगी। साथ ही हाइड्रोलाजिकल अध्ययन भी कराने का निर्णय लिया गया है।

केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान रुडक़ी से प्रस्ताव मांगा गया है, सचिव आपदा प्रबंधन डा. रंजीत कुमार सिन्हा ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि प्रभावितों के पुनर्वास के लिए पीपलकोटी, गौचर, कोटीकालोनी समेत कुछ अन्य स्थान चयनित किए गए हैं। भारतीय भूगर्भीय सर्वेक्षण को इन क्षेत्रों का जियो अध्ययन करने के लिए लिखा गया है। प्री-फैब्रिकेट घरों के निर्माण के ²ष्टिगत केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान रुडक़ी से प्रस्ताव मांगा गया है।

वहीं दूसरी ओर जोशीमठ में भू-धंसाव के चलते कॉलोनी खाली कराई गई है। जोशीमठ में भू धंसाव के चलते सेना ने किराए के घर में रहने वाले अपने जवानों को अपने कैंपों में शिफ्ट करना शुरू कर दिया है। जोशीमठ में भारतीय सेना की बिग्रेड और भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की एक बटालियन तैनात है।

जोशीमठ भारत तिब्बत सीमा (चीन के अधिकार क्षेत्र) का अंतिम शहर है। यहां से नीति और माणा घाटियां भारत तिब्बत सीमा से जुड़ती हैं। इस बटालियन के कई जवान जोशीमठ में किराए के मकान में रहते हैं। शहर के मकानों में जिस तरह गहरी दरारें आ रही हैं, वह किसी के लिए सुरक्षित नहीं हैं। किसी अनहोनी से बचने के लिए सेना ने जवानों को ऐसे किराए के मकान तत्काल खाली करने को कहा है जहां दरारें आ रही है।

सचिव डॉ सिन्हा ने बताया कि सेना, आइटीबीपी, एनटीपीसी व जेपी कंपनी के परिसर के कुछेक हिस्से भी भूधंसाव वाले क्षेत्र की जद में है। सेना ने अपने आवासीय परिसर को खाली कर इसे अपने ही परिसर में सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया है। आइटीबीपी भी अपनी कॉलोनी खाली कर रही है, जबकि जेपी कंपनी ने भी अपने कुछ आवास खाली कर दिए हैं। एनटीपीसी भी इसकी तैयारी कर रहा है। उन्होंने बताया कि जोशीमठ में सेना, आइटीबीपी के पास पर्याप्त जगह है, जो सुरक्षित है।

भू-धंसाव का क्षेत्र अब सेना और आईटीबीपी के कैंप की ओर भी बढऩा शुरू हो गया है। कैंप की सडक़ धंसने के साथ ही सीमा को जोडऩे वाला मलारी हाईवे धंस गया है। ऐसे में सेना को आवागमन व रसद की दिक्कत हो सकती है।

जोशीमठ में भूधंसाव और घरों में दरारें पडऩे का सिलसिला तेज होने के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर जोशीमठ की स्थिति का दोबारा अध्ययन करने के लिए सचिव आपदा प्रबंधन डा. सिन्हा की अध्यक्षता में विशेषज्ञों की टीम गठित की गई। टीम ने गुरुवार से जोशीमठ में स्थलीय निरीक्षण करने के साथ ही स्थानीय निवासियों से बातचीत की।

खेलते समय पांच साल के बच्चे ने निगला चुंबक

लखनऊ (आरएनएस)। लखनऊ में भारतीय जनता पार्टी के एक नेता के पांच वर्षीय लडक़े ने खेलते समय गलती से एक चुंबक निगल लिया। यूपी बीजेपी के महासचिव अमरपाल मौर्य के बेटे पार्थ सारथी को राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आरएमएलआईएमएस) ले जाया गया, जहां से इलाज के बाद उसे छुट्टी दे दी गई।

मौर्य ने कहा है, लगभग 8 बजे, मेरे बेटे ने गलती से चुंबक का एक छोटा सा टुकड़ा खेलते हुए निगल लिया। इसके तुरंत बाद, उसे सांस लेने में तकलीफ होने लगी और जब हमने उसकी कुशलक्षेम पूछी, तो उसने मिठाई के पैकेट की ओर इशारा किया, जहां हमें चुंबक का दूसरा टुकड़ा मिला था।

आरएमएलआईएमएस के चिकित्सा अधीक्षक डॉ विक्रम सिंह ने कहा, हमने एक्स-रे किया है और लडक़े के पेट में एक इंच लंबा चुंबक पाया है। किसी सर्जरी की कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि चुंबक मल के माध्यम से शरीर से बाहर निकल जाएगा।

उन्होंने कहा, अगर लडक़ा दर्द की शिकायत करता है तो इलाज की जरूरत होगी। हम उसकी स्थिति की समीक्षा करने के लिए फिर से एक्स-रे कराएंगे।

अभी लागू नहीं होगा नागरिकता संशोधन कानून, गृह मंत्रालय ने मांगा छह महीने का और समय

नई दिल्ली (आरएनएस)। नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के तहत नियम बनाने के लिए केंद्र सरकार ने 6 महीने का और समय मांगा था, जिसे राज्यसभा की कमेटी ने स्वीकार कर लिया है। वहीं लोकसभा कमिटी के फैसले का अभी इंतजार है। सूत्रों के मुताबिक गृह मंत्रालय ने कहा था कि नागरिकता संशोधन अधिनियम के लिए नियम बनाने के लिए छह महीनों की और जरूरत है, इसके बिना इसे लागू नहीं किया जा सकता। बता दें कि लगातार 7वीं बार गृह मंत्रालय को ये अतिरिक्त समय दिया गया है।

जानकारी के मुताबिक राज्यसभा में अधीनस्थ विधान पर संसदीय समिति द्वारा सीएए नियमों को बनाने का समय पिछले वर्ष 31 दिसंबर तक और लोकसभा में अधीनस्थ विधान पर संसदीय समिति द्वारा 9 जनवरी 2023 तक बढ़ा दिया गया था। सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्रालय ने 6 महीने का और समय मांगा है ताकि इसे लागू किया जा सके। राज्य सभा की कमेटी ने इसे स्वीकार कर लिया है और 30 जून तक का समय दिया है, वहीं लोकसभा कमेटी के फैसले का अभी इंतजार है।

बता दें कि नवंबर में एक कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा था कि कोरोना महामारी के चलते इस अधिनियम को लागू करने में कुछ देरी हुई है। सीएए देश का कानून है, जो लोग यह सपना देख रहे हैं कि सीएए लागू नहीं होगा, वह गलत हैं, यह जरूर लागू होगा।

नागरिकता संशोधन कानून 11 दिसंबर 2019 को संसद द्वारा पारित किया गया था। इसे अगले ही दिन राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई थी। इसके बाद गृह मंत्रालय ने इसे अधिसूचित किया था। हालांकि, कानून अभी लागू होना बाकी है, क्योंकि सीएए के तहत नियम बनाए जाने अभी बाकी हैं। देश मे इस कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में तकरीबन 83 लोगों की जान चली गई थी।

गौरतलब है कि सीएए के जरिए केंद्र सरकार बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आए गैर-मुस्लिमों को भारतीय नागरिकता देना चाहती है। कानून के तहत इन समुदायों के जो लोग 31 दिसंबर 2014 तक भारत आए थे और जो वहां धार्मिक उत्पीडऩ का सामना कर रहे थे, उन्हें अवैध प्रवासी नहीं माना जाएगा और उन्हें भारतीय नागरिकता दी जाएगी।

आसनसोल में बड़ा हादसा, अवैध कोयला खदान धंसने से 25 मजदूरों के फंसे होने की आशंका

आसनसोल (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के आसनसोल से अवैध कोयला खदान धंसने की खबर सामने आई है। इस खदान में 25 मजदूरों के फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। सूचना पाकर पुलिस और सीआईएसएफ मौके पर पहुंच गई है और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरु कर दिया है। कोलियरी अथॉरिटी का एक प्रतिनिधि भी घटना स्थल पर पहुंच गए हैं। जानकारी के अनुसार, रविवार की सुबह कुल्टी थाने के बोदरा गांव में बीसीसीएल के 12 नंबर हजला गड्ढे का बड़ा हिस्सा भरभराकर गिर गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि उस खदान में 20 से 25 लोग दबे हो सकते हैं। पुलिस पहले से ही घटना की जांच कर रही है। खदान के अंदर कितने लोग फंसे हैं इसकी जांच की जा रही है।

स्थानीय लोगों के अनुसार खदान में अवैध रूप से कोयले के प्रवेश के कारण यह हादसा हुआ है। हालांकि इस पर बीसीसीएल खदान प्राधिकरण ने ताला लगा दिया है। ग्रामीणों की एकमात्र शिकायत यह है कि रविवार सुबह कुछ लोग कोयला खदान में कोयला चोरी करने गए थे। इसी दौरान अचानक खदान धंस गई। इससे कुछ लोग दब गए हैं।

बता दें कि हाल के दिनों में झारखंड और बंगाल के आसनसोल के कोयला खदान इलाकों में अवैध कोयला खनन के कई मामले सामने आए हैं और इसमें कई बार लोगों के फंसने की घटनाएं भी घट चुकी है, लेकिन प्रबंधन और प्रशासन अवैध कोयला खदान रोकने में पूरी तरह से विफल रहा है।

स्थानीय बीजेपी पार्षद लालोन मेहरा ने इसकी शिकायत की। उन्होंने इस अवैध कोयला कारोबार के बारे में प्रशासन और कोलियरी अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया है। लेकिन कुछ काम नहीं आया। पार्षद के मुताबिक, यहां अवैध रूप से कोयले का कारोबार चल रहा है। लेकिन किसी को सूचना देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। यह अवैध काम पुलिस और प्रशासन के सहयोग से एक सिंडिकेट की तरह किया जाता है। आपको हर दिन 100 रुपए मिल सकते हैं। दूसरे उस मौके से करोड़ों रुपये का कारोबार करते हैं।